

कमांक 1766-ज-(I)-81/33981.—श्री चन्द्रभान, पुत्र श्री भीमा, गांव बेरी, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़, दिनांक 28 मई, 1979 की हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनिन्न 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपनाया गया है और प्रांज तक संगोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के प्रधीन प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए श्री चन्द्रभान को मुख्या 150 रुपये वाधिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की प्रधिस्चना कामांक 2371-ज-І-76/2520, दिनांक 22 जनवरी, 1977, हारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती हरदेई के नाम खरीक, 1979 में 150 रुपये वाधिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वाधिक की दर से सनद में दी गई शर्ती के श्रन्तगंत प्रदान करते हैं।

## दितांक 21 सितम्बर, 1981

क्रमांक 1768-ज(II)-81/34096 — पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार प्रधिनियम 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपनायां गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के ग्रनुसार सींपे गए ग्रधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल श्री सोहन सिंह, पुत्र श्री मोहर सिंह, गांव डीला, तहसील व जिला गुडगांवा, को रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गयी शतों के ग्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

## दिनांक 18 सितम्बर, 1981

कमाक 1769-ज(II)-81/34162 — पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार मिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपानाया गया है और उसमें माज तक संशोधन किया गया है), की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के म्रनुपार सौंपे गए मिधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपान भी होजियार सिंह, पुत्र श्री जुंग लाल, गांव गुड़गांवा, तहसील व जिला मुड़गांवा को खरीफ, 1975 से खरीफ, 1979 तक 150 क्ये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 क्येये वार्षिक कीमत वाली युद्ध का जागीर सनद में दी गई शतों के भनसार सहवे प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1757-ज(II)-81/34178. — श्री राम सरन शर्मा, पुत्र श्री होरा लाल, गांव माखंड, तहंसील नरवाना, जिला जीन्द की दिगांक 5 श्रगस्त, 1977 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हिस्याणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिष्ठिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हिस्याणा राज्य में मपनाया गया है भीर धाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(1ए) तथा 3(1ए) के प्रधीन भदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री राम सरन शर्मा की मुक्तिग 150 स्पये वार्षिक की जागीर जो उसे हिस्याणा सरकार की श्रिष्ठसूचना क्रमांक 6269-ब्रार(II)-70/1257, दिनांक 1.4 जनवरी, 1971 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती मरिया देवी के नाम रवी, 1978 से खरीफ, 1979 तक 150 स्पये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 स्पये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तगंत प्रदान करते हैं। दिनांक 22 सितम्बर 1981

कमांक 1810-ज(I)-81/34655.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है भीर उसमें आज तक संशोधन किया गया है), की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सीपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती श्योबाई, विधवा श्री डूगर सिंह, ग्राम ढाणा, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़, की बरीक, 1965 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक खरीक, 1970 से खरीक, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहबं प्रदान करते हैं।

## दिनांक 24 सितम्बर, 1981

त्रमांक 1764-ज (I)-81/34747 — पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार मधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में मर्पनाया गया है और उसमें भ्राज तक संशोधन किया गया है), की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के भ्रनुसार सौंपे गए भ्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रो श्री राम सिंह, पुत्र श्री गाहड सिंह गांव सांवड, तहसील दादरी, जिता भिवानी, को रबी, 1977 से खरीक़, 1979 तक 150 रुपये वाधिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वाधिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के भ्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

## दिरोक 28 सितम्बर, 1981

क्रमांक 1840-ज(I)-81/35172--श्री पोखर, पुत श्री तोता राम, गांव सेहलांग, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 2 फरवरी, 1979 को हुई मृत्यू के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य से अपनाया गया है और श्राज तक संशोधन विया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) 1(ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए श्री पेखर को मृत्लिंग 150 रपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 585-र-III-69/7922, दिनांक 14 अप्रैल, 1969 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मन्जूर की गई थी, श्रव उसकी विधवा श्रीमती जीवली देवी के नाम खरीफ, 1979 से 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

द० र० सतीजा, विशेष कार्य श्रधिकारी, हरियाणा सरकार, राजस्व विमाग ।